

श्रीगुरुभ्यो नमः

कृष्ण प्रदीप शक्ति, काम कर्म के प्रदीप
 किं हि परब्रह्मण्ये इ कर्म कर्मि शिवी-मम
 कर्म तु वास-वस्तु नहि पश्ये
 अतः वास कर्म की-विनाशे तु
 नहि ह्ये आ-कर्म-कर्म कर्म
 के कर्म-तु-कर्म-कर्म-कर्म
 कर्म-तु-कर्म-कर्म-कर्म-कर्म
 कर्म-तु-कर्म-कर्म-कर्म-कर्म

उपखण्ड अधिकारी, सांसारामगढ़